वार्तालाप-551, ताडेपल्लिगुडेम, दिनांक 15.04.08
Disc.CD No.551, dated 15.4.08 at Tadepalligudem
Extracts-Part-1

समयः 00.12-03.02

जिज्ञासुः बाबा, वार्तालाप, बातचीत बाप और बच्चों के बीच प्रैक्टिकल में एक बार ही होती है ना।

बाबा: ठीक है।

जिज्ञासु: और बाप को प्रश्न करने वाले दो प्रकार के होते हैं। एक अपने जिज्ञासा को दूर करने वाला।

बाबा: ठीक है।

जिज्ञासु: और दूसरे हैं बाप को क्रॉस करने वाले। तो दोनों को बाप का समाधान अलग-2 होता है।

बाबा: ये संकल्पों की बात है, ये वायब्रेशन की बात है। वार्तालाप करने वाले के वायब्रेशन के ऊपर निर्भर है। जैसे बच्चे वैसा जवाब मिल जाता है।

जिज्ञासु: लेकिन बाप, बाप कहते हैं – प्रश्नचित्त नहीं बनो, प्रसन्नचित्त बनो।

बाबा: हाँ जी, हाँ जी।

Time: 00.12-03.02

Student: Baba, the discussion, conversation between the Father and the children it takes place in practical only once, doesn't it?

Baba: It is correct.

Student: And those who question the Father are of two kinds. One kind of people are those who asks questions to pacify their curiosity.

Baba: It is correct.

Student: And the other are those who cross (question) the Father. So, the Father resolves their queries differently.

Baba: This is about the thoughts; about the vibrations. It depends on the vibrations of the person who is discussing. As is the child so is the reply that he receives.

Student: But the Father says, do not become *prashnachitt* (someone who has questions in his mind); be *prasannachitt* (someone who is happy in his mind).

Baba: Yes, yes.

जिज्ञासु: लेकिन रूद्रमाला के मणके, जन्म-जन्मान्तर के पतित आत्मायें हैं उनको जास्ती धोना पड़ता है बाप को।

बाबा: उनमें भी कैटगरीज़ हैं ना। कोई तो अटल निश्चय बुद्धि हैं और कोई को घड़ी-2 अनिश्चय आता है। जिनको घड़ी-2 अनिश्चय आता है उनके वायब्रेशन कैसे होंगे? और जो अटल निश्चय बुद्धि हैं उन रूद्रमाला के मणकों में ऐसे भी बच्चे होंगे जिनको कोई प्रश्न चिन्ह नहीं आता। जो कहा, सो सत। असत कुछ भी लगता ही नहीं। वैराइटी झाड़ है ना। वैराइटी

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

झाड़ में हर प्रकार के बच्चे हैं। जैस 500 कराड़ का वैराइटी झाड़ है। वैसे 108 आत्मायें ज बीजरूप हैं सारी मनुष्य सृष्टि की, उसमें भी वैराइटी हैं। एक ग्रुप ऐसा भी है जिसक बाप की हर बात अच्छी लगती है। कहीं भी कई प्रश्न पैदा ही नहीं हता।

जिज्ञासुः बाकी सब असुर है ना बाप। ज प्रश्न नहीं पूछते व ही....?

बाबाः असुर ज है व.... जैसे ज्ञान चंद्रमा, ब्रह्मा है। बाप का सिकीलधा बच्चा है। उसक असुर कहेंगे कि असुर बनाया गया है? (जिज्ञासु- असुर बनाया गया है।) त जिनक असुर बनाया गया है चालाकी से, चंटई से उनका कई दाष नहीं है।

Student: But the beads of the *Rudramala* (the rosary of Rudra) are sinful souls of many births; they are required to be washed more by the Father.

Baba: There are categories even among them, aren't there? Some have an unshakeable faithful intellect and some develop doubts every moment. How will the vibrations of those who develop doubts every moment be? And those who have an unshakeable faithful intellect, there can be such children also among them who do not develop any doubts. Whatever is told (by Baba), they believe it to be true. They do not find anything to be untruth at all. It is a variety tree, isn't it? There are all kinds of children in the variety tree. Just like there is a variety tree of 5 billion [souls]. Similarly, there is variety even among the 108 souls who are the seedform souls of the entire human world. There is a group like this also which likes every version of the Father. They do not develop any question / doubt at all.

Student: Father, the rest are demons, aren't they? Those who do not ask questions they themselves….. ?

Baba: The demons are like …. For example, the Moon of knowledge, Brahma. He is a *sikeeladha* (long lost and now found) child of the Father. Will he be called a demon or has he been made a demon? (Student: He has been made a demon.) So, those who have been made a demon cunningly, cleverly are not guilty.

समयः 03.10-04.20

जिज्ञासुः बाबा, असंख्यचर हरामखर। खर माना क्या बाबा?

बाबाः खर? खर माना खाने वाले, असंख्यचर हरामखर। हराम का खाने वाले हैं। चरी का माल आराम से मिल जाए, जिंदगी भर खाते रहें कमाई कुछ न करनी पड़े। ऐसे बहुत हैं। उनकी संख्या नहीं की जा सकती। जैसे 500 कराड़, 700 कराड़ मनुष्य आत्मायें इस दुनियाँ में हैं। उनकी एक्यूरेट संख्या नहीं की जा सकती। ऐसे ही ज चर हैं उनकी भी संख्या असंख्य है। गिनती नहीं की जा सकती। हराम का खाने वाले हैं। मेहनत का खाने वाले नहीं हैं।

Time: 03.10-04.20

Student: Baba, *asankhyachor haraamkhor*. What is the meaning of *khor* Baba?

Baba: *Khor*? *Khor* means the one who eats. *Asankhyachor haraamkhor*. They feed themselves with the help of wealth wrongfully obtained. [They think:] "May we get stolen material easily so that we keep feeding on it throughout our life and don't have to earn anything. There are many like this. They cannot be counted. Just as there are 5-7 billion human souls in this world, their number cannot be counted accurately. Similarly, the number

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

of thieves is also innumerable. They cannot be counted. They are the ones who feed themselves with wealth wrongfully obtained. They are not the ones who feed themselves with hard-earned wealth.

समयः 04.25-13.40

जिज्ञासुः मुरली में बोला ना शिव बाप से प्रजापति को वर्सा मिलता है।

बाबा: ठीक है।

जिज्ञासु: प्रजापिता से जगदम्बा को वर्सा मिलता है।

बाबा: बिल्कुल।

जिज्ञासु: जगदम्बा से सारे बच्चों को वर्सा मिलता है।

बाबा: बिल्कुल।

जिज्ञासु: ये कैसे?

बाबाः ये ऐसे, बच्चे वो ही कहे जायेंगे जो बाप के ऑडर पर चलें। बाप का आज्ञाकारी, वफादार, फरमानबरदार, ईमानदार बच्चा होगा तो वर्से का अधिकारी बनेगा या मनमत चलाने वाला होगा तो वर्से का अधिकारी बनेगा? (सभी-आज्ञाकारी....।) आज्ञाकारी, वफादार, फरमानवरदार, ईमानदार बच्चा बनना माना फुल सरेण्डर। और सरेण्डर होने वालों की लिस्ट में प्रैक्टिकल की बात है। सरेण्डर होने वालों की लिस्ट में आगे-2 कौन जाता है?

जिज्ञासु: जगदम्बा।

बाबा: जगदम्बा भी डब्बा है या वास्तव में उसके अंदर जो आत्मा काम करती है उसका कमाल है?

जिज्ञासु: उसका कमाल है।

Time: 04.25-13.40
Student: Baba, it has been said in the *Murli,* “Prajapati gets inheritance from the Father Shiva.
Baba: It is correct.
Student: Jagdamba gets inheritance from Prajapita.
Baba: Certainly.
Student: All the children get inheritance from Jagdamba.
Baba: Certainly.
Student: How is it like this?
Baba: It is like this: Only those who follow the Father’s orders will be called (the real) children. Will a child become entitled to the inheritance if he is an obedient, loyal, honest [and] subservient child of the Father or will he become entitled to the inheritance if he follows the opinion of his own mind? (Students: Obedient...) Becoming an obedient, loyal, honest [and] subservient child means [becoming] full surrender. And it is about [those who do] in practice in the list of those who surrender. Who goes ahead in the list of those who surrender?
Student: Jagadamba.
Baba: Is Jagadamba also a box or is it the wonder of the soul which works inside her?
Student: It is the wonder of that soul.

बाबा: जगदम्बा माना सारे जगत की माता। सारे जगत की माता व ही बन सकती है जिसमें सहन शक्ति का 100% सहनशक्ति की विशेषता भरी हुई ह। व सहनशक्ति की विशेषता जगदम्बा की है या ब्रह्मा की है?

जिज्ञासु: ब्रह्मा की। उसमें प्रवेश करके ज पार्ट बजाता है उसका है।

बाबा: हाँ जी। एक हाना है समझ करके कदम बढ़ाना और एक हाना है बेसमझी से कदम बढ़ा देना। दूसरों ने धक्का दिया, पुश किया और आगे बढ़ पड़े। उसक कहते हैं, पुष्करणी ब्राह्मण। ब्रह्मा के लिए, दादा लेखराज के लिए और जगदम्बा के लिए क्या अंतर है? हैं त दोनों ब्रह्मा।

जिज्ञासु: एक सारस्वत है, दूसरा है पुष्करणी।

बाबा: ज दादा लेखराज, ब्रह्मा की साथ है व धक्का देकरके ईश्वरीय कार्य में आगे नहीं बढ़ती। कैसे बढ़ती है? स्वयं के उमंग उत्साह से आगे बढ़ती है और जगदम्बा की आत्मा? पुश किया जाता है।

Baba: Jagadamba means the mother of the entire world. Only she, who has 100% specialy of tolerance, can become the mother of the entire world. Is that specialy of tolerance of Jagadamba or of Brahma?

Student: Brahma. It is the specialty of the one who enters her and plays a part.

Baba: Yes. One is to step ahead with awareness and the other is to step ahead without understanding. She moved ahead on being pushed by others; that is called *Pushkarni Brahmin*. What is the difference between Brahma, Dada Lekhraj and Jagadamba? Both are Brahma anyway.

Student: One is *Saraswat* (Brahmin)[1] and the other is *Pushkarni* (Brahmin).

Baba: The soul of Dada Lekhraj, Brahma does not move ahead in Godly task on being pushed. How does it move? It moves with its own zeal and enthusiasm. And the soul of Jagadamba is pushed (into Godly service).

जिज्ञासु: ये बात बी.के. जगदम्बा के लिए लागू हाना है या एडवांस की जगदम्बा के लिए लागू हाना है?

बाबा: बी.के. त बेसिक है। बेसिक में जगदम्बा कौन है ये जानते हैं? बेसिक में त जानते ही नहीं हैं। माना यज्ञ के आदि की बात कर रहे हैं? यज्ञ के आदि में ज माता थी, उसने सुनने सुनाने का फाऊन्डेशन डाला या समझने-समझाने और प्रैक्टिकल करने का भी फाऊन्डेशन डाला? (किसीने कहा- सुनने सुनाने का फाउंडेशन डाला।) लेकिन जब तक सुनेगा सुनाएगा नहीं इसी का फाऊन्डेशन नहीं डाला गया तब तक समझने समझाने और प्रैक्टिकल करने की स्टेज आवेगी? नहीं आवेगी। त ज पहला-पहला फाउंडेशन है, चाहे बेसिक नॉलेज का फाउंडेशन ह और चाहे एडवांस नॉलेज का फाउंडेशन समझने समझाने का ह व डालने का

[1] A Brahmin who goes ahead in knowledge on his own

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

निमित्त कौन बना? जगदम्बा। इसीलिए जगदम्बा सुनने-सुनाने के लिहाज़ से पहले सरेण्डर हाती है और जितना सुनती है उतना ही सुनाती है। सत्य की नईया है। नहीं त भक्तिमार्ग में बहुत झूठे भी हाते हैं। क्या? सुनते कुछ और हैं और उसमें नमक-मिर्च मिलाके सुनाते कुछ और हैं। मिक्स करके सुनाने वालों की संख्या ेर है। चारी से माल मिक्स कर देते हैं। जैसे घी-दूध बेचने वाले हाते हैं ना। प्यार दूध बेचने वाले बहुत थाड़े और उसमें कुछ न कुछ पानी मिलाके बेचने वाले ेर के ेर।

Student: Does this apply to BK Jagadamba or to the Advance Jagadamba?
Baba: BK is basic (knowledge). Do they know in the basic (knowledge): who is Jagadamba? They do not know this in the basic (knowledge) at all. Are you speaking about the beginning of the yagya? Did the mother who was present in the beginning of the yagya lay the foundation of listening and narrating or did she also lay the foundation of understanding and explaining and of doing it in practical? (Student: She laid the foundation of listening and narrating.) But until someone listens and narrates, until the foundation for this itself is laid, will anyone achieve the stage of understanding and explaining and of doing it in practice? He will not. So, who became instrument in laying the first foundation, whether it is the foundation of the basic knowledge or the foundation of understanding and explaining of the advance knowledge? Jagadamba. This is why Jagadamba surrenders first from the point of view of listening and narrating. And she narrates only to the extent she listens. She is the boat of truth. Otherwise, there are many who are false in the path of *bhakti* too. What? They listen to something and they narrate something else by spicing up things. The number of those who mix and narrate is numerous. They adulterate the things stealthily. For example, there are people, who sell milk and ghee, aren't they? Those who sell pure milk are very few. And the number of those who mix water in it is very large.

त ऐसे ही जगदम्बा ह या ब्रह्मा ह। ये दाों श्रेष्ठ आत्मायें हैं। इनक बरगलाया जाता है। इनकी काई गलती नहीं है। गलती किसकी है? जिन्होंने फुसलाया है, जिन्होंने बरगलाया है व चार हैं। इसीलिए भारत की परम्परा में आज भी एक कानून बना हुआ है लास्ट। लास्ट परम्परा चल रही है शासन की तमाप्रधान शासन की। उसमें भी ये नियम बना हुआ है कि बच्चा जब तक तक नाबालिग है, बुद्धि सालिम नहीं बनी है, बालिग बुद्धि नहीं बनी है तब तक उस बच्चे क नाबालिग घाषित किया जाएगा। काई भी उसक बरगलाए सकता है, कंवर्ट कर सकता है। उस बच्चे की पकड़ नहीं हागी, उसक जेल में नहीं डाला जाएगा। किसक जेल में डाला जाएगा? ज उसक कंवर्ट करने वाला है, किडनेप करने वाला है व पकड़ में आवेगा। फुसलाने वाला है, मनमानी चाल से चलाने वाला है। जगदम्बा के बारे में प्रश्न किसने किया था? क्या था प्रश्न आपका?

So, similarly, whether it is Jagadamba or Brahma, both are elevated souls. They are misled. It's not their mistake. Whose mistake is it? Those who have enticed them, misled them are the theives. This is why in the Indian tradition there a law that is still prevalent in the last [period]; the last tradition of governance, of the degraded government is in practice. There is a rule even in that, that as long as a child is immature, until his intellect is developed, mature,

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

that child will be declared minor (*naabaalig*). Anyone can mislead him [or] convert him. That child will not be arrested; he will not be put into jail. Who will be put into jail? The one who converts him, kidnaps him will be caught, the one who entices him, who makes him do things according to his wish [will be caught]. Who had raised the question regarding Jagadamba? What was your question?

जिज्ञासुः जगदम्बा से सारे बच्चों क वर्सा मिलता है ना।

बाबाः हाँ, त ज वर्सा है व जगदम्बा से मिलता है। पहले वर्सा किसने लिया? पहले सरेण्डर कौन हुआ? (जिज्ञासु- जगदम्बा।) चल बुद्धि से समझकरके सरेण्डर नहीं हुई। जब समझकरके सरेण्डर नहीं हुई। जब समझकरके सरेण्डर नहीं हुई त प्रेक्टिकल जीवन में कर दिखाने की त बात आती ही नहीं है। लेकिन जितना भी सुना सुनकरके ज्यों का त्यों सुनाने का कार्य किसने किया? (किसीने कहा- जगदम्बा ने।) कई भी कैसेट जगदम्बा की ऐसी है जिसमें उसने मिक्स करके सुनाया ह? (किसीने कहा- नहीं।) क्या ये मूल सेवा नहीं है? इन गुरूओं गासाईंयों ने द्वापरयुग से सुनाना शुरू किया। उसमें कितना मिक्स करके सुनाया? इतना मिक्स करके सुनाया कि शुरूआत से ही शिवहम् बनके बैठ गए। ये त आसुरी सम्प्रदाय हैं ज बरगलाते हैं। ब्रह्मा क भी बरगलाया बेसिक नॉलेज में और जगदम्बा क भी बरगलाया। लेकिन सत्य की नईया हिलेगी-डुलेगी लेकिन डूबेगी नहीं।

जिज्ञासुः चलाने वाला है बाप।

बाबाः चलाने वाला बाप है। बरगलाने वाले बहुत हैं, फुसलाने वाले बहुत हैं, चाटुकारी करने वाले बहुत हैं, मक्खनबाजी करने वाले बहुत हैं। भगवान बाप सब देखता है। भगवान बाप भक्ति से प्रसन्न हासा है क्या? कि ज्ञानी बच्चों से प्रसन्न हासा है? मुझे ज्ञानी तू आत्मा पसंद है। भगत पसंद नहीं हैं ज मक्खनबाजी करते रहें मम्मी-मम्मी, बाबा-बाबा।

Student: All the children get inheritance from Jagadamba, don't they?

Baba: Yes, so, the inheritance is received from Jagadamba. Who obtained the inheritance first? Who surrendered first? (Student: Jagadamba.) OK, she did not surrender after understanding through her intellect. When she did not surrender after understanding, the question of doing something in the practical life does not arise at all. But whatever she heard… who performed the task of narrating it as it is after listening? (Student: Jagadamba.) Is there any casette of Jagadamba where she has narrated mixed knowledge? (Someone said: No.) Is this not the original service? These gurus and so on started narrating from the Copper Age. How much did they mix up and narrate? They mixed it up so much that they sat as *Shivohum* (I am Shiva) from the beginning itself. These are the ones who belong to the demoniac community who mislead. They misled Brahma as well in the basic knowledge. And they misled Jagdamba as well. But the boat of truth will shake and quake but it will not drown.

Student: The controller is the Father.

Baba: The controller is the Father. Those who mislead are many. Those who coax, who flatter are many. Those who butter up are many. God the Father observes everything. Does God the Father become happy through *bhakti*? Or does He become happy by the

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

knowledgeable children? "I like the knowledgeable souls. I do not like the *bhakts* (devotees) who keep flattering [by saying:] "Mummy-Mummy, Baba-Baba". … (to be continued.)

Extracts-Part-2

समयः 13. 50-19.20

जिज्ञासुः मुरली प्वाइंट आता है ना जब देवताएं वाम मार्ग में चलते हैं तब स्वर्ग खलास होता है....।

बाबा: हाँ, जी।

जिज्ञासु: तो वाम मार्ग में चले जाने वाले संगमयुगी लक्ष्मी नारायण हैं या....। पहले वाम मार्ग में चले जाने वाले द्वापर में....।

बाबा: जो पहला ब्राह्मण सो पहला देवता। जो पहला देवता सो पहला क्षत्रिय। पहला क्षत्रिय सो पहला वैश्य। पहला वैश्य सो पहला शुद्र। चाहे कोई भी युग हो, उस काल को परिवर्तन करने वाला कौन? पहला या दूसरा, तीसरा आखरी? (सभी- पहला।)

जिज्ञासु: लेकिन, मुस्लिम लोग कहते हैं ना, ईव ने एडम को प्रोवोक किया कि ये फल खाओ, देहअभिमान .....। तब ईव कौन है? वो नारायण के साथ जो नारायणी है वो प्रोवोक करती है क्या?

बाबा: ठीक है। अगर ऐसा न होता तो भगवान पहले होना चाहिए या भगवती पहले होनी चाहिए? नंबरवन कौन होना चाहिए और नंबर दो का माल कौन होना चाहिए?

जिज्ञासु: भगवान नंबरवन ।

बाबा: हाँ, भगवान नंबरवन है इसीलिए वो बरगलाता नहीं है।

Time: 13.50-19.20

Student: There is a Murli point, when the deities start following the left (opposite) path, heaven ends…

Baba: Yes.

Student: So, those who follow the left path are they the ConfluenceAge Lakshmi and Narayan or … those who start following the left path first in the Copper Age?

Baba: The one who is the first Brahmin is the first deity. The one who is the first deity is the first *Kshatriya*[2]. The one who is the first *Kshatriya* is the first *Vaishya*[3]. The one who is the first *Vaishya* is the first *Shudra*[4]. Be it any age, who transforms it? Is it the first one or the second, third, and the last one?

Student: But the Muslims say that Eve provoked Adam [saying:] "Eat this fruit"; body consciousness…. Then who is Eve? Does Narayani who is present with Narayan provoke him?

Baba: It is correct. Had it not been so, should [the name of] *Bhagwaan* (God) be [taken] first or should [the name of] *Bhagwati* (Goddess) be [taken] first? Who should be number one and who should be number two?

---

[2] Those who belong to the warrior class

[3] Those who belong to the merchant class

[4] Untouchable; a member of the fourth and the lowest division of the Indo-Aryan society

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: *Bhagwaan* [should be] number one.
Baba: Yes. *Bhagwaan* is number one. This is why He does not mislead.

जिज्ञासु: लेकिन व□ जन्म-जन्मांतर की प्यूरिटी की संस्कार वाली है ना नारायणी। व□ कैसे प्र□व□क करती है देहअभिमान के लिए?
बाबा: नारायणी की बात नहीं है। नारायणी में भी द□ हैं - एक भारत माता और एक जगतमाता। ज□ भारतमाता है व□ बरगलाने से भी किसी के बरगलावे में नहीं आती। अपनी पवित्रता क□ अक्षुण्ण रखती है।
जिज्ञासु: व□ 21 जन्मों की साथी है ना बाप नारायणी, वैष्णवी।
बाबा: हाँ जी, व□ पक्का साथ है और 63 जन्म में कच्चा साथ है। लेकिन ज□ पति-पत्नी का संबंध है उस संबंध में फिर भी पक्का साथ है और संबंधों में कच्चा है। क्योंकि सर्व संबंधों की रसना जितना रूद्रमाला वाले ले सकते हैं उतना रूंडमाला वाले नहीं ले सकते। अभी चांस ही नहीं है। ज□ मिलन-मेला जगदम्बा ने मिलाय लिया जगतपिता के साथ, व□ मिलन-मेला मनाने का चांस और दूसरों के लिए है ही नहीं।

Student: But Narayani is the one who has the *sanskars* of purity for many births, isn't she? How does she provoke [Adam] for body consciousness?
Baba: It is not about Narayani. Even in the case of Narayani, there are two – One is mother India and the other is the world mother. Mother India is not misled even if someone misleads her. She keeps her purity intact.
Student: That Narayani, Vaishnavi is the companion [of Narayan] for 21 births, isn't she?
Baba: Yes, that is the firm company (for 21 births) and the company for 63 births is a weak company. But the company is firm in the relationship of husband and wife, but it is weak in case of other relationships because those from the *Rundmala* (*Vijaymala*) cannot experience the delight of all relationships to the extent the *Rudramala* experiences. Now there is no chance at all. The meeting that Jagadamba had with *Jagatpita* (the world Father); that chance of meeting is not available for others at all.

जिज्ञासु: लेकिन 63 जन्मों में व□ साथी नहीं रहती है ना बाप। जगदम्बा त□ साथी नहीं रहती है। नारायणी रहती है ना। 21 जन्म में त्रेता के अंत का जन्म ज□ ह□ता है उसमें व□ नारायणी ही साथी ह□ती है ना नारायण के साथ, पहला नारायण के साथ।
बाबा: नारायणी साथ ह□ती है। लेकिन उसमें ज□ दूसरी माता है उसका संक्रमण ह□ता है त्रेता के अंत में।
जिज्ञासु: त□ ये द□ बात तब से ही शुरू ह□ती है।
बाबा: हाँ जी।
जिज्ञासु: बाबा, ये प्वाइंट है कि पहल शूद्र माना व्यभिचार फैलाने वाला बाप है। लेकिन द्वापर में जब इब्राहिम स□ल प्रवेश करती है त□ तब व□ व्यभिचार शुरू करती है ना।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा: पहले विकृति आती है कि पहले व्यभिचार आता है? व्यभिचार खराब चीज़ है या विकृति खराब चीज़ है? व्यभिचार खराब चीज़ है त व्यभिचार राम वाली आत्मा से नहीं आता है पहले।

जिज्ञासु: .....

Student: But she does not remain his (Narayan's) companion for 63 births, does she? Jagadamba does not remain a companion. It is Narayani who remains his companion, doesn't she? The last birth of the Silver Age in the 21 births; Narayani herself remains the companion of Narayan, the first Naranay in it, doesn't she?
Baba: Narayani does remain with him, but the second mother comes in his connection in the end of the Silver Age.
Student: So, this duality begins from there itself.
Baba: Yes.
Student: Baba, this is a point that the first *Shudra* is the Father who spreads adulteration. But when the soul of Abraham enters in the Copper Age, it starts adulteration, doesn't it?
Baba: Does viciousness (*vikriti*) come first or does adulteration come first? Is adulteration bad or is viciousness bad? Adulteration is bad. So, adulteration does not come from the soul of Ram first.
Student said something.

बाबा: विकृति आती है, विकृति माना भ्रष्ट इन्द्रियों में विकृति राम वाली आत्मा से शुरू हुती है। उसक उकसाने वाली आत्मा कोई दूसरी है। व्यभिचार की शुरूवात त ऊपर से आने वाली द्वापर युग की ज पहली आत्मा है व ही शुरू कर देती है। दृष्टि का भी व्यभिचार शुरू करती है त भ्रष्ट इन्द्रियों का भी व्यभिचार शुरू करती है।

जिज्ञासु: त कलियुग में पहला शूद्र बाप क कैसे कहेंगे?

बाबा: अगुआ।

जिज्ञासु: मतलब?

बाबा: माना जब कलियुग शुरू हुआ है। त व्यभिचारियों में जितना भारत के राजायें व्यभिचार बने उतने विदेशों की राजायें व्यभिचार बनते हैं क्या? ज्यादा व्यभिचारी कौन बनते हैं? भारत के राजायें अनेक रानियों के साथ या विदेशी राजायें? भारत के राजायें। और भारत के राजाओं में भी सबका बाप कौन है? बच्चे हर बात में तुम्हारा बाप आया हुआ है।

Baba: viciousness comes [from him]. *Vikruti*, i.e. viciousness in the corrupt organs begins with the soul of Ram. The soul who provokes him is someone else. Adulteration is started by the first soul of the Copper Age that comes from above. It starts the adulteration through the eyes as well as the adulteration through the corrupt organs.
Student: So, how will the Father be called the first *Shudra* in the Iron Age?
Baba: The leader (*agua*).
Student: What does it mean?
Baba: It means that when the Iron Age begins, then, do the kings of the foreign countries become adulterated to the extent the kings of India become adulterated? Who become more

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

adulterated? Are they the kings of India who kept many queens or the kings of the foreign countries? The kings of India. And even among the kings of India, who is everybody's father? Children, your father has come in every aspect. ……. (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 19.28-22.50

जिज्ञासुः बाबा, जगदम्बा सबकी मनःकामनायें पूर्ण करती है। प्वाईन्ट है।

बाबाः हाँ जी।

जिज्ञासुः तः 'सब में' देवता भी आते हैं और असुर भी आते हैं। देवताओं की मनःकामनायें शुद्ध हःती हैं और असुरों की अशुद्ध हःती हैं। तः क्या जगदम्बा अशुद्ध कामनाओं कः पूर्ण करती है?

बाबाः जगदम्बा के भेंट में भारतमाता कः सामने रख लः। वः एक ही मनःकामना की पूर्ति करती है। क्या?

जिज्ञासुः ज्ञान बाँटने की ।

बाबाः ज्ञान देने की मनःकामना पूरी करती है। जानती है कि ऊपर वाले से जः ज्ञान का सागर है, ज्ञान सूर्य है उससे जः मिलता है उसीसे दुनियाँ का कल्याण हःना है। बाकी जः गुरू लःग हैं (वः) अनेक प्रकार की मनःकामनायें पूरी करती रहते हैं। उनसे दुनियाँ का निस्तार हःने वाला नहीं है। सारी मनःकामनायें गुरूओं ने पूरी की हैं इस दुनियाँ की; लेकिन ये सब आसुरी सम्प्रदाय हैं। ईश्वर की दी हुई चीज़ एक ही है। क्या है? ज्ञान। वः ज्ञान की मनःकामनायें जः पूरी करती है वः है भारतमाता, लक्ष्मी।

Time: 19.28-22.50
Student: Baba, there is a point that Jagdamba fulfils everybody's desires.
Baba: Yes.
Student: So, 'everybody' includes deities as well as demons. Deities have pure desires and demons have impure desires. Does Jagatamba fulfil impure desires?
Baba: Compare Jagadamba (the world mother) with Bharatmata (the mother India). She fulfils only one desire. What?
Student: [The desire of] distributing knowledge.
Baba: She fulfils the desire of giving knowledge. She knows that the benefit of the world is going to be brought about only through what is received from the one who stays above, the ocean of knowledge, the Sun of knowledge. The gurus keep on fulfilling many kinds of desires. The world is not going to be salvated through that. The gurus have fulfilled all the desires of this world. But all of them belong to the community of demons (*asuri sampraday*). There is only one thing that is given by God. What is it? Knowledge. The one who fulfils the desire of knowledge is *Bharatmata*, Lakshmi.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

त सब मनकामनायें पूरी करना अच्छा या एक ही मनकामना पूरी करना अच्छा? (जिज्ञासु- एक मनकामना।) सब मनकामनायें त आसुरी मनकामनायें हैं। और एक ही मनकामना की पूर्ति करना व ईश्वरिय मनकामना है। भगवान मिला त ज्ञान मिला, ज्ञान मिला त सब कुछ मिला। ज्ञान से सद्गति हती है। इच्छा मात्रम् अविद्या बनना है या सर्व मनकामना प्राप्त करने वाला बनना है? (जिज्ञासु- इच्छा मात्रम अविद्या।) तब जब इच्छा मात्रम् अविद्या बनना है त लक्ष्य त ईश्वरिय ज्ञान प्राप्त करने का है ना। और व भी सुनने-सुनाने तक न ह, सिर्फ समझने-समझाने तक ही न ह। कैसा ह? प्रैक्टिकल जीवन में निभाने वाला भी ज्ञान हना चाहिए। त लक्ष्मी का पुरूषार्थ ज्यादा श्रेष्ठ या जगदम्बा का पुरूषार्थ ज्यादा श्रेष्ठ? सब की मनकामनायें पूरी कर देना माना सबक खुश करना (कि) "तुम भी खुश रह-5"। और सब एक जैसे कर्म करने वाले हैं? सब से मान मर्तबा ले लेना ये अच्छी बात है क्या? (जिज्ञासु- नहीं।) लेना है त एक से लेना है। नहीं लेना है त किसी से नहीं लेना है। एक शिवबाबा दूसरा न कई।

So, is it better to fulfil all the desires or only one desire? (Student: One desire.) All the desires are demonic desires. And fulfilling only one desire (of knowledge) is a Godly desire. "When we found God we found knowledge. When we got knowledge we got everything." Knowledge brings *sadgati* (true salvation). Do you have to become *ichcha maatram avidya*[5] or do you have to become the one who has all the desires fulfilled? (Student: *Iccha matram avidya*.) So, when you have to become *ichcha maatram avidya*, your aim is to obtain the godly knowledge, isn't it? And even that should not be [limited] to listening and narrating. It should not be [limited] only to understanding and explaining. How should it be? The knowledge should be something that you assimilate in the practical life as well. So, is the *purusharth* of Lakshmi more elevated or the *purusharth* of Jagadamba more elevated? Fulfilling everybody's desires means making everyone happy. "You too, remain happy-5. Does everyone act alike? Is it good to get respect and honour from everyone? (Student: No.) If you wish to obtain [something] obtain it from the One. If you do not wish to obtain [anything] do not obtain it from anyone. One Shivbaba and no one else.

समयः 23.07-24.07

जिज्ञासुः भ्रष्ट इन्द्रियों की बात आती है ना।

बाबा: हाँ जी।

जिज्ञासु: त विराट रूप में ऐसा बलते हैं ब्राह्मण है चटी।

बाबा: हाँ।

जिज्ञासु: और मुख है देवतायें, भुजायें हैं क्षत्रीय और उदर है वैश्य और पांव शूद्र। त शरीर में ज भ्रष्ट इन्द्रियों की ज बात आती है।

बाबा: हाँ जी।

जिज्ञासु: सबसे नीचे रहने वाला ये पांव है ना।

---

[5] Without a trace of the knowledge of desire

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा: हाँ जी-3।

जिज्ञासु: तो भ्रष्ट इन्द्रियाँ बीच में रहती हैं।

बाबा: भ्रष्ट इन्द्रियों में मुखिया, भ्रष्ट इन्द्रियों में मुख्य कार्य करने वाली।

जिज्ञासु: ....

बाबा: हाँ जी, सबका प्रधान, भ्रष्टों का प्रधान।

जिज्ञासु: जैसे काम विकार प्रधान है।

बाबा: हाँ, जी।

Time: 23.07-24.07
Student: Regarding the subject of the corrupt organs....
Baba: Yes.
Student: So, in the cosmic form (*viraat roop* of Vishnu), it is said that Brahmins are the *choti* (the topknot).
Baba: Yes.
Student: And the mouth is the deities; arms are the *Kshatriyas*, the stomach is *Vaishya* and the legs are *Shudra*. So, as regards the subject of the corrupt organs in the body…
Baba: Yes.
Student: The lowest organs are these legs, aren't they?
Baba: Yes-3.
Student: So, the corrupt organs are in the center.
Baba: It is the head of the corrupt organs; the one which performs the main task among the corrupt organs.
Student said something.
Baba: Yes, the chief of all; the chief of the corrupt (organs).
Student: Just like the vice of lust is the chief.
Baba: Yes.

समय: 25.00-27.05

जिज्ञासु: 16108 आत्माएं नम्बरवार प्यूरिटी धारण करने वाली हैं।

बाबा: टाईम टु टाईम। हमेशा नहीं। कई तो उनमें ऐसी हैं जो त्रेता के बिल्कुल अंतिम जन्म में, अंतिम समय के लिए, कुछ सेकण्डों के लिए पवित्रता की बात को प्रैक्टिकल जीवन में धारण करके दिखाती हैं। बाकी सारा ही पुरूषार्थी जीवन...। भल सरेण्डर हुई अंत में। लेकिन विकारी की विकारी, प्रजावर्ग की प्रजावर्ग, दास-दासियों का पार्ट बजाने वाली श्रीमत के बरखिलाफ चलने वाली रहती हैं। अंत में जाके बुद्धि में बैठता है कि मुझे श्रीमत पर ही चलना चाहिए। अपनी मनमत पर या मनुष्यों की मत पर नहीं चलना चाहिए। एक के संग से ही मेरी सद्गति होती है। इन अनेकों के संग से मेरी बिल्कुल दुर्गति हुई है। वो अंत में जाकरके बात बुद्धि में बैठेगी। इसीलिए 16000 की लिस्ट में जो लास्ट नंबर का प्रिंस या प्रिंसेस बनने वाली आत्मा है वो थोड़े समय के लिए प्रिंस-प्रिंसेस बनकरके रह जाती हैं। राजा

भी नहीं बनती। सिर्फ नाम आ जाता है प्रिंस-प्रिंसेस के लिस्ट में। बाकी त॰ जन्म–जन्मांतर दास-दासी बनकरके रहना है।

जिज्ञासुः सतयुग के पहले से ही।

बाबाः सतयुग के आदि से लेकरके और त्रेता के अंत तक भी। सिर्फ नाम आ जाता है, 16108 की लिस्ट का।

Time: 25.00-27.05
Student: The 16108 souls imbibe purity *number wise*.
Baba: Time to time. Not always. Some among them are such that they assimilate purity in their practical life in the very last birth of the Silver Age, in the last period, for a few seconds in the last birth. As for the rest of the *purusharthi* life… Although they surrendered in the end, but they remain vicious, those belonging to the subjects category (*praja varg*), and play the part of maids and servants and act against the *shrimat*. It sits in their intellect in the end, "I should follow only the *shrimat*. I should not follow my personal opinion or the opinion of the human beings. My true salvation is going to be brought about only through the company of one. The company of these many (human beings) has caused my degradation." That subject will sit in their intellect in the end. This is why the soul that is going to become the last number prince or princess in the list of 16000 becomes a prince or a princess for a short while. He does not even become a king. Just their name is included in the list of princes and princesses. For the remaining births they have to remain as maids and servants.
Student: From the beginning of the Golden Age itself.
Baba: From the beginning of the Golden Age and even till the end of the Silver Age. Just their name is included in the list of 16108. …… (to be continued.)

Extracts-Part-4

समयः 27.15-28.37

जिज्ञासुः ये टेलिफान, ये बिजली आदि ये पॉम्प एण्ड श॰ है ना? रावण का पॉम्प एण्ड श॰ कहते है ना।

बाबाः हाँ।

जिज्ञासुः लेकिन हम लोग उसक॰ यूज़ कर रहे हैं ना। ये सब कुछ जैसे वीडिय॰ है, बिजली है, टेलीफान है हम सब यूज़ कर रहे हैं ना। इसका मतलब हम उसक॰ स्वीकार कर रहे हैं ना।

बाबाः एक हैं यूज़ करने वाले कि जब तक सहज-2 मिलता है त॰ यूज़ करते हैं। और जब नहीं मिलता है त॰ पीछे पड़ते हैं कि मिलना चाहिए। बिना इसके हम रह नहीं सकते। त॰ कौन श्रेष्ठ हैं? चोरी करके भी हम बिजली की पूर्ति करेंगे, इन साधनों की पूर्ति करेंगे त॰ हम करके छोड़ेंगे। एक है मिल गया त॰ ठीक है पूर्वजन्म का हिसाब-किताब है। नहीं मिला त॰ कोई बात नहीं।

जिज्ञासुः इसीलिए बाप कहते हैं तुम साधनों पर नहीं....

बाबाः एक हैं साधनों के ऊपर आधीन होने वाले और एक हैं साधनों के ऊपर बिल्कुल आधीन नहीं होने।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः मिलता है (त॰) यूज़ करेंगे। नहीं मिलता...

बाबाः चलेगा। ईश्वरीय कार्य करके छाड़ेंगे फिर भी। साधन मिले या न मिले।

Time: 27.15-28.37
Student: This telephone, electricity etc. is a pomp and show, isn't it? It is called the pomp and show of Ravan, isn't it?
Baba: Yes.
Student: But we people are using them, aren't we? We are using all these things like video, electricity, telephone, aren't we? It means that we are accepting them, aren't we?
Baba: One kind of users is such that they use them as long as they get them easily. And when they do not get it, they start pestering that they should get it. [They think:] "We cannot live without them". So, who is elevated? [They think:] "We will fulfil our requirements even by stealing electricity; we will fulfil our requirement of these equipments at any rate. And one kind of user is such that [they think:] "OK, it is a karmic account of the past birth". It does not matter if we do not get it.
Student: This is why the Father says, you [should not be] dependant on the equipments (*saadhan*).
Baba: One kind of people is those who remain dependant on equipments. And the other kind of users is those who do not remain dependent on the equipments in any way.
Student: If they get it, they will use them; if they don't get it….
Baba: It is ok [for them]. Even then, they will definitely complete the Godly task whether they get the equipments or not.

समयः 28.47-29.40

जिज्ञासुः बाबा, ये प्वाइंट आती है जब देहअभिमान की कट उतरती है तब तुम डायरेक्ट बाप से सीखते ह॰।

बाबाः हाँ जी।

जिज्ञासुः लेकिन यहाँ ज॰ बाप कहते हैं, श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ तुम यहाँ देख॰ और निकृष्ठ से निकृष्ठ यहाँ देख ल॰।

बाबाः हाँ।

जिज्ञासुः मतलब बाप से डायरेक्ट सीखते हैं त॰ .....

बाबाः व॰ डायरेक्ट सीखने वालों में भी त॰ द॰ प्रकारके ह॰ गए। एक है डायरेक्ट सन्मुख और एक है इनडायरेक्ट सन्मुख। सन्मुख बैठने वालों में जैसे द॰ प्रकार के हमने हैं; एक हैं मन-बुद्धि से जुड़े हुए और एक हैं तन से सन्मुख बैठे हैं, मन-बुद्धि से विपरीत संकल्प चलाने वाले हैं। ऐसे ही डायरेक्ट भी द॰ प्रकार के हैं।

Time: 28.47-29.40
Student: Baba, there is a point that when the *'kat'* (i.e. rust) of body consciousness is removed, you will learn directly from the Father.
Baba: Yes.
Student: But here the Father says, you can find the most elevated ones as well as the most degraded ones here.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Yes.
Student: I mean to say, when they learn directly from the Father…
Baba: Among those who learn directly, there are two kinds. One is direct face to face and the other is indirect face to face. For example, among those who sit face to face there are two kinds; one is those who are connected through their mind and intellect and the other is those who are sitting face to face physically, [but] they create opposite thoughts through their mind and intellect. Similarly, the ones [who study] directly are of two kinds.

समयः 29.50-33.40

जिज्ञासुः बाबा, महाभारत युद्ध में दिखाया है। अर्जुन ने भीष्म पितामह क□ हराने वाला शिखंडी क□ अपने रथ में बिठाया।

बाबाः हाँ जी।

जिज्ञासुः इसका मतलब और शूटिंग क्या है?

बाबाः और शूटिंग क्या है? रूद्रमाला के जितने भी मणके हैं व□ स्त्री हैं कि पुरूष हैं कि शिखंडी हैं?

जिज्ञासुः रूद्रमाला के [मणके] सब पुरूष हैं।

बाबाः सब पुरूष हैं? ज□ पुरूष हैं व□ भी पुरूष हैं? और ज□ पुरूष चाल्रे में नहीं हैं स्त्री चाल्रे में हैं व□ भी पुरूष हैं?

जिज्ञासुः रूद्रमाला के बच्चे पुरूष संस्कार वाले हैं ना।

बाबाः संस्कार वाले हैं लेकिन उनमें शिखंडी का पार्ट बजाने वाले हैं या नहीं हैं? (जिज्ञासु- हाल्रा है।) लास्ट में जाकरके उनक□ पुरूष चाल्रा मिलेगा जैसे शिखंडी क□ मिला था। स्त्री चाल्रा था शिखंडी का या पुरूष चाल्रा था?

जिज्ञासुः दाल्रों का मेल हैं ना।

Time: 29.50-33.40
Student: Baba, it has been shown in the Mahabharata war that Arjun made Shikhandi, who defeated Bheeshma Pitamah, sit on his chariot.
Baba: Yes.
Student: What is its meaning and how does its shooting take place?
Baba: And how does the shooting take place? Are all the beads of the *Rudramala* (the roasary of Rudra) female, male or shikhandi (i.e. eunuchs)?
Student: All [the beads] of the *Rudramala* are males.
Baba: Are all of them males? Are those who are men males? And those who aren't in male bodies who are in female bodies also males?
Student: The children of the *Rudramala* have male *sanskars*, don't they?
Baba: They have such *sanskars*; but are there some who play the part of Shikhandi among them or not? (Student: There are.) In the last period they will get a male body just as Shikhandi got. Did Shikhandi have a female body or a male body?
Student: He had a mixture of both [the male as well as the female], didn't he?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा: युद्ध में जब खड़ा हुआ था त□ कौनसा चात्रा था?
जिज्ञासु: पुरूष।
बाबा: पुरूष चात्रा था। त□ यहाँ भी ज□ रूद्रमाला के स्त्री चात्रे हैं व□ कंट्रात्र करने वाले स्वभाव के हैं या कंट्रात्रड हात्रे वाले हैं?
जिज्ञासु: कंट्रात्र करने के स्वभाव के हैं।
बाबा: बहुतों में कंट्रात्र करने का स्वभाव संस्कार ज्यादा है। खुद किसी के कंट्रात्र में आने वाले नहीं हैं, भले पति ही क्यों न ह□ त□ भी उसके ऊपर कंट्रात्र करने का मद्दा रखने वाले हैं। त□ ऐसे संस्कार जिनके पक्के होंगे त□ उनके हॉर्मोंस चेंज होंगे कि नहीं अंत में? (किसीने कहा- होंगे।) हॉर्मोंस चेंज ह□ जायेंगे त□ कौनसा शरीर ह□ जाएगा? पुरूष चात्रा ह□ जाएगा। और अंत में युद्ध की भूमि दुनियाँ में ह□गी की नहीं ह□गी?
जिज्ञासु: ह□गी।
बाबा: त□ बस समझ ल□। ऐसे शिखंडी आत्माओं में क□ई अव्वल नंबर भी ह□गी। चाहे प्रजापिता ही सामने क्यों न आ जाए, चाहे सारी दुनियाँ का विनाश क्यों न ह□ जाए, सारी एडवांस पार्टी का धराशायी हात्रा क्यों न ह□ जाए लेकिन सामना करना बंद नहीं करेगी।
जिज्ञासु: जगदम्बा से?

Baba: When he stood in the battlefield, which body did he have?
Student: Male.
Baba: He had a male body. So, even here, do the female bodies of the *Rudramala* have a nature of controlling others or do they have the nature of being controlled (by others)?
Student: They have the nature of controlling others.
Baba: Many have more *sanskar* of controlling others. They themselves do not come under anybody's control, even if it is their husbands; they have the capacity to control them. So, those who have such firm *sanskars*; will their hormones change in the end or not? (Student: They will.) When the hormones change, which body will they have? They will have a male body. And in the end, will there be a battle field in the world or not?
Student: It will be.
Baba: So, you can understand. There will also be someone who is number one among such Shikhandi souls. Even if Prajapita himself comes in front of her, even if the entire world itself is destroyed, even if the entire advance party is destroyed, she will not stop confronting.
Student: Jagdamba?

बाबा: सारी असुरों की लिस्ट एक ह□ जाए। एक आत्मा एक तरफ ह□ जाए और दूसरी आत्मा एक तरफ ह□ जाए त□ भी सामना करेगी। इसक□ कहते हैं महाकाली। महाकाली ने क्या किया? पुरूष बनी या स्त्री बनी नीचे आ गई? क्या बनी? अरे, महाकाली ने कौनसा रूप धारण किया? पुरूष रूप धारण किया। जैसे पुरूष आधीन नहीं ह□ात्रा। पुरूष चात्रा आधीन ह□ात्रा है या मास्टली आधीन बनाकरके रहता है?
जिज्ञासु: आधीन बनकरके रहता है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा: नहीं, पुरूष चाहे हमेशा दुर्योधन-दु:शासन बनके रहता है।
जिज्ञासु: माना आधीन में आते हैं।
बाबा: अरे, महाभारत में भी दिखाया है अम्बा ने हार नहीं मानी। जन्म-जन्मांतर भी बीत जायें त भी क्या संकल्प पक्का रहता है? हार खिला के छोड़ेंगे। बात समझ में आई? न आई ह तो भाषानुवाद करा दें।

Baba: Even if the entire list of demons becomes one. Even if one soul is on one side and all other soul is on the other side, she will face them. This is called Mahakali. What did Mahakali do? Did she become a male or did she become a female and surrender herself? What did she become? Arey, which form did Mahakali take on? She took a male form. Just as a man does not remain under anyone. Does a male body remain subordinate or does it mostly make others subordinate?
Student: It remains subordinate.
Baba: No, the male body always remains Duryodhan- Dushasan[6].
Student: It means it remains subordinate.
Baba: Arey, it has been shown even in the Mahabharata: Amba did not concede / accept defeat. Even if many births pass, which thought remains firm [in her mind]? I will definitely defeat him (i.e. Bhishma). Did you understand the topic? Otherwise, it will be translated. …. (to be continued.)

Extracts-Part-5

समय: 35.24-36.30
जिज्ञासु: बाबा, विजय माला को आह्वान करना है। ये प्वाईन्ट मुरली में आया है और एक तरफ बाप कहते हैं मुझ एक को याद करो तब...।
बाबा: याद करना और आह्वान करना एक ही बात है या अलग-2 बातें हैं? (जिज्ञासु- अलग-2 बात है।) अरे, हम किसी आत्मा को ज्ञान में खींचना चाहते हैं लेकिन हम उसके पास जाना नहीं चाहते। हमारा पूर्वकाल का बहुत उसके पास स्नेह है। बहुत उसने स्नेह लिया है और हमने दिया है और उसने हमको दिया है, हमने उससे स्नेह लिया है। हम उस आत्मा को आह्वान कर रहे हैं। लेकिन बाप की याद में हम उसको सर्चलाईट नहीं दे सकते आह्वान करने के लिए? या ये ज़रूरी है कि हम बाप को भूल जायें और उस आत्मा को ही याद करने लग पड़ें?

Time: 35.24-36.30
Student: Baba, "Invoke the *Vijaymala"*, this point has been mentioned in the murli and on the other hand the Father says, Remember Me alone, then…
Baba: Is remembering and invoking the same thing or different things? (Student: They are different things.) Arey, we wish to pull a soul to knowledge, but we do not want to go to that soul. We had a lot of affection for that soul in the past. He has obtained a lot of affection

[6] Villainous characters in the epic Mahabharat

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

[from us], we have given it to him, he has given it to us and we have received affection from him. We are invoking that soul; but can't we give searchlight to that soul in the Father's remembrance to invoke him? Or is it necessary for us to forget the Father and start remembering that soul?

समयः 36.45-38.48

जिज्ञासुः बाबा, ये वार का क्रम है ना रविवार से सोमवार, मंगलवार, बुधवार और गुरूवार। वार का क्रम होता है ना।

बाबाः हाँ जी, हाँ जी।

जिज्ञासुः उसमें एक रविवार है। रविवार माना ज्ञान सूर्य रवि है। द रवि हैं एक है शिव बाप और जिसमें प्रवेश करते हैं व दोनों क रवि कहा जाता है। और बादमें आता है सोम माना चंद्र। लेकिन गृहों में शिव के बाद ज गुरू ग्रह, बृहस्पति है व श्रेष्ठ है ।

बाबाः हाँ जी।

जिज्ञासुः व श्रेष्ठ है ना । त रवि के बाद त गुरू आना चाहिए ना। सोमवार क्यों आया?

बाबाः रवि अकेला नहीं कुछ करता है। करता है?

जिज्ञासुः नहीं करता है।

बाबाः कौन होता है साथ में?

जिज्ञासुः मुकर्रर रथ होता है।

Time: 36.45-38.48
Student: Baba, there is a sequence of days starting from *Ravivaar* (Sunday) to *Somvaar* (Monday), *Mangalvaar* (Tuesday), *Budhwaar* (Wednesday) and *Guruvaar* (Thursday). There is a sequence of days, isn't there?
Baba: Yes, yes.
Student: *Ravivaar* is a day in it. *Ravivaar* is the Sun of knowledge, the Sun. There are two Suns: One is the Father Shiv and the one in whom He enters; both of them are called the Sun. And after that comes *Som*, i.e. the Moon. But among the planets, the planet Jupiter (*Guru*, *Brihaspati*) is an elevated [planet] after the Sun, isn't it?
Baba: Yes.
Student: He is elevated, isn't he? So, *Guru[vaar]* (Thursday) should come after Sunday, shouldn't it? Why did Monday come (after Sunday)?
Baba: The Sun does not do anything alone. Does he?
Student: He does not.
Baba: Who is with him?
Student: The permanent chariot is with him.

बाबाः माना वृक्षपति होना ज़रूरी है। त इसीलिए जब रविवार कहा जाता है त रवि के साथ उसका रथ ज़रूर रहना चाहिए। और व रथ सात घोड़ों के द्वारा चलता है नहीं त नहीं चलेगा। इसीलिए अष्टदेवों में से सात हैं घोड़े, आत्मा रूपी अश्व और व स्वंय है एक।

जिज्ञासुः लेकिन गुरू त पीछे, बाद में है ना बाप। मंगल, बुध और गुरू।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः एक श्रेष्ठ, सोमवार फिर है मंगल, फिर बुध, फिर बृहस्पत। इनका क्रम है जैसे-2 ये आस-पास घूमते हैं नज़दीक के हिसाब से। नज़दीक रहने की बात है।

Baba: It means that *Vrikshapati* (Jupiter) is required. This is why when we say '*Ravivaar*', *Ravi*'s (i.e. the Sun's) chariot should certainly be with Him. And that chariot is pulled by seven horses; otherwise it will not move. This is why seven among the eight deities are horses, the horse like souls. And He Himself is one (the chariot).
Student: But *Guru* (Thursday) comes later, doesn't it? *Mangal* (Tuesday), *Budh* (Wednesday) and *Guru* (Thursday) [come later].
Baba: One is elevated, *Somvaar* (Monday); after that is *Mangal* (Tuesday), then is *Budh* (Wednesday), and then is *Brihaspat* (Thursday). Their sequence is in accordance with the proximity and their movement. It is about being close (to Sun).

समयः 38.55-40.15

जिज्ञासुः ये नारायण और नारायणी आत्माएं द्वापर से ही ज्यादा जन्म साथ रहती है ना।

बाबाः नारायण बनने वाली आत्मायें?

जिज्ञासुः संगमयुग में नारायणी और नारायण बनने वाला जो है वो द्वापर से कलियुग के अंत तक वो जास्ति जन्म.....

बाबाः पहले नारायण की बात है या सभी नारायण नारायणियों की बात कर रहे?

जिज्ञासुः पहले नारायण की।

Time: 38.55-40.15
Student: The souls of Narayan and Narayani remain together for most of the births from Copper Age, don't they?
Baba: The souls which are going to become Narayan?
Student: The ones who become Narayani and Narayan in the Confluence Age for most of the births from Copper Age to the Iron Age….
Baba: Is it about the first Narayan or about all the Narayans and Narayanis?
Student: The first Narayan.

बाबाः वो सभी की यही बात है। जो पहला नारायण नारायणी है और जो आखरी नारायण नारायणी है सतयुग के आखरी जन्म का वो द्वापरयुग से कलियुग के अंत तक बुद्धियोग से ज्यादा एक दूसरे के साथ रहने वाले हैं। प्रैक्टिकल जीवन में साथ रहें या ना रहें।

जिज्ञासुः अलग-2 पति मिलता है लेकिन बुद्धियोग जास्ति उनके साथ होता है।

बाबाः हाँ जी। यहाँ संगमयुग के प्रेक्टिकल जीवन में भी देखने में आवेगा कि वो एक दूसरे से जितना बुद्धियोग का साथ देते हैं उतना और कोई साथ नहीं देता है

जिज्ञासुः सबका ऐसे होता है ना बाप?

बाबाः हाँ, जी-2।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: It is the same case with everyone. Whether it is the first Narayan-Narayani or the last Narayan-Narayani of the last birth of the Golden Age, they remain with each other through the connection of their intellect from the Copper Age till the end of the Iron Age. It does not matter whether they remain with each other in their practical life or not.
Student: They get different husbands, but the connection of their intellect is more with him [the partner].
Baba: Yes, it will be visible in the practical life of the Confluence Age also that nobody gives company to the extent they give company to each other through their intellect.
Student: It is the same case with everyone, isn't it?
Baba: Yes-2.

समयः 41.20-43.35

जिज्ञासुः जगदम्बा क प्रकृति कहते हैं ना । व कैसा उनक समझ में नहीं आ रहा है ।

बाबाः जगदम्बा प्रकृति कैसे है?

जिज्ञासुः प्रकृति माना प्रकष्ठ रूप में कृति करने वाला....।

बाबाः प्रकष्ठ रूप में जिसकी कृति की गई है माना भगवान ने जिसकी रचना में एड़ी से लेकरके चट्टी तक की सारी ताकत झोंक दी। मंसा की भी पावर झोंक दी, वाचा की भी पावर झोंक दी, दृष्टि की भी पावर झोंक दी और सारी ही कर्मेन्द्रियों की सारी पावर उसे बनाने में झोंक दी तब उसकी तैयारी हुई, रचना हुई। इसीलिए उसका नाम पड़ा है प्र। प्र माना प्रकष्ठ रूपेण जिसकी कृति, रचना हुई है, उसका नाम पड़ा है प्रकृति। व पार्ट सिर्फ जगदम्बा का ही है।

Time: 41.20-43.35
Student: Jagdamba is called *prakriti* (nature), isn't she? He is unable to understand how.
Baba: [Is he unable to understand:] how is Jagdamba *prakriti*?
Student: *Prakriti* means the one who creates in a special way….
Baba: The one who **has been** created in a special way i.e. the one, for whose creation God used His entire power from head to toe. He used the power of His mind, the power of His speech, and the power of His vision too. He used the entire power of all the bodily organs; then she was prepared, created. This is why she was named *pra(kriti)*. *Pra* means the one who was created in a special way (*prakashth roopen*) was named *prakriti*. That is a part of Jagdamba alone.

जिज्ञासुः प्रकृति माना प्रकष्ठ कृति माना?

बाबाः कृति माना रचना। प्र-कृति। प्रकष्ठ रूप माना प्रचंड रूप से जिसकी रचना की। साधारण रूप से रचना नहीं की। बड़ी मेहनत लगाके जिसकी रचना की।

Student: What is meant by *prakriti*, i.e. *prakashth kriti* (special creation)?
Baba: *Kriti* means creation. *Pra-kriti*. The one who was created in a special way (*prakasht roop*), i.e. fervently (*prachand roop*). She wasn't created in an ordinary way. The one who was created with a lot of hard work. ….. (to be continued.)

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Extracts-Part-6

समयः 44.05-47.02

जिज्ञासुः ये द्वादश ज्यो◻तिर्लिंग गाये है ना बाबा। इसमें ज◻ 8 है पक्का सूर्यवंशी। द्वादश ज्यो◻तिर्लिंग 12 सूर्यवंशी के ग्रुप का है ना बाबा। या सारे धर्मों के मुखिया है?

बाबाः ज्यो◻ति माना क्या?

जिज्ञासुः ज्ञान ज्यो◻ति।

बाबाः ज्ञान की ज्यो◻ति। व◻ ज्ञान की ज्यो◻ति साकार की है या सिर्फ निराकर की है या दा◻नों की मेल की है? (जिज्ञासु- दा◻नों के मेल की है।) ज◻ भी ज्ञान की ज्यो◻ति है उस ज्यो◻ति में 8 ज◻ लिंग हैं, ज◻ अष्टदेव हैं उनमें पक्का 100% सूर्यवंशी कौन?

जिज्ञासुः बाप । पहले सूर्यवंशी ज◻ 12 के ग्रुप में हैं..... ।

Time: 44.05-47.02

Student: Baba, the twelve (*dwadash*) *jyotirlingas* are praised, aren't they? Among them eight are the firm *Suryavanshis* (those who belong to the Sun dynasty). The twelve *jyotirlingas* are a group of 12 *Suryavanshis*, aren't they Baba? Or are they the heads of all the religions?

Baba: What is the meaning of *jyoti* (light)?

Student: The light of knowledge (*gyaan jyoti*).

Baba: The light of knowledge. Is that light of knowledge of the corporeal one or just of the incorporeal one or of the combination of both? (Student: It is of the combination of both.) In the light of knowledge, the 8 *lings*; among the eight deities who is the firm 100% *Suryavanshi*?

Student: The Father. The first *Suryavanshis* who are in the group of 12…..

बाबाः प्रजापिता। बाकी सात ह◻ गए नम्बरवार। ज◻ 7 नम्बरवार हैं व◻ सब कनवर्ट हो◻ने वाले हैं आखरी जन्म में, अंत में। इसीलिए जब सात ही कनवर्ट हो◻ने वाले हैं त◻ ज◻ बाद वाले, आठ के बाद वाले हैं चार व◻ त◻ बहुत ही नीची का◻टि के हैं। त◻ टा◻टल मिलाकरके यही कहेंगे कि ज◻ अव्वल नंबर है व◻ जब सम्पन्न बनता है त◻ बाकी 11 रूद्रों में प्रवेश करता है। ऐसे नहीं है कि ज्ञान सूर्य शिव ज्यो◻ति बिंदु, जिसका नाम शिव है, कभी बदलता नहीं, व◻ 12 में प्रवेश करता है। फिर त◻ सर्वव्यापी ह◻ जाएगा। व◻ एकव्यापी है या सर्वव्यापी है? एकव्यापी है। इसीलिए रूद्रों की संख्या...। मुख्य रूद्र कितने माने जाते हैं?

जिज्ञासुः रूद्र त◻ एक है।

बाबाः नहीं। एक त◻ मुखिया है ही। व◻ त◻ महारूद्र है ही लेकिन और रूद्रों की संख्या कितनी मानी जाती है? ग्यारह ।

जिज्ञासुः द्वादश ।

बाबाः द्वादश त◻ लिंग हैं। लेकिन ज◻ रूद्र हैं उनकी संख्या कितनी मानी जाती है? ग्यारह; व◻ हैं सहयो◻गी।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Prajapita. The remaining seven are number wise (according to their capacities). The seven who are number wise are those who convert in the last birth, in the end. This is why when the seven themselves are going to convert, then the ones who come after them, the four that come after the eight are of a very low category. So, on the whole it will be said that when the number one becomes perfect, he enters the other 11 Rudras[7]. It is not that the Sun of knowledge, the point of light Shiva, whose name is Shiva [and] whose name never changes, enters the twelve. Then He will become omnipresent. Is He present only in one (*ekvyapi*) or is He omnipresent (*sarvavyapi*)? He is present only in one. This is why the number of Rudras….. What is the number of the main Rudras?
Student: Rudra is one.
Baba: No, one is anyway the chief. He is *Maharudra*. But what is supposed to be the number of the other Rudras? Eleven.
Student: Twelve.
Baba: There are twelve *lings*. But what is considered to be the number of Rudras? Eleven; they are helpers.

समयः 47.10-50.45

जिज्ञासुः बाबा, ये प्वाइंट आता है १०० परसेन्ट बाप की याद में रहकर अच्छा न कर तो भी पाप नहीं लगेगा। ये प्वाईन्ट आता है ना।

बाबाः सारे संसार की भी हत्या कर दे आत्मिक स्थिति में रहने वाला 100% तो उसके ऊपर कोई पाप नहीं लगता।

जिज्ञासुः वो सिर्फ एक की हत्या है ना।

बाबा: हाँ, जी।

जिज्ञासु: 100% याद में वाला एक ही है ना।

बाबा: हाँ, जी-2।

जिज्ञासु: प्युरिटी में भी 100% पक्का धारण करने वाला एक ही है ना।

बाबा: तभी तो एक के लिए बोला है कि इस सृष्टि के आदि से लेकरके अंत तक सदा कायम कोई है ही नहीं। सदा कायम इस सृष्टि रूपी रंग मंच पर एक शिवबाबा है। शिवबाप नहीं शिवबाबा है।

जिज्ञासुः जो 8 रत्न है वो सज़ा से बचते हैं ना । अष्ट रत्न नहीं भोगते हैं।

बाबा: अष्ट रत्न नहीं अष्ट देव।

Time: 47.10-50.45
Student: Baba, there is a point, if you will not accumulate sins even if you do bad things while being in the 100 percent remembrance of the Father. This is a point, isn't it?
Baba: Even if someone who is in 100 percent soul conscious stage kills the entire world he will not accumulate any sin.
Student: It is only one [who achieves that stage], isn't it?
Baba: Yes.
Student: There is only one who remains in 100% remembrance, isn't it?

[7] Rudra- the one who takes on a ferocious form

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Yes-2.
Student: There is only one who assimilates 100% purity, isn't it?
Baba: This is why it has been said only for one that nobody remains permanently [in this world] from the beginning of the world to the end. Only one Shivbaba is permanent (*sadaa kaayam*) on this stage like world. Not the Father Shiva, but Shivbaba.
Student: The eight gems are saved from the punishments, aren't they? The eight gems do not suffer [punishments].
Baba: Not the eight gems, the eight deities.

जिज्ञासुः अष्टदेव। अष्टदेव सज़ा नहीं भुगते हैं ना। तो कुछ ना कुछ कमी रही है इसीलिए वो बाद में आई हैं ना। तो ज़रूर कुछ न कुछ दण्ड मिलना चाहिए ना उन लोगों को। क्योंकि प्युरिटी में और सारी बात में बाप के समान नहीं माना पक्का 100% नहीं बने हैं। तो इसीलिए उनको कुछ न कुछ तो पनिशमेन्ट तो होना चाहिए ना।

बाबाः किनको?

जिज्ञासुः प्रजापिता को छोड़कर, पहले नंबर को छोड़कर।

बाबाः पहले सात को?

जिज्ञासुः हाँ, दूसरे सात जो हैं।

बाबाः इसीलिए नहीं मिलता कि वो सिर्फ आखरी जन्म जाकरके कनवर्ट होते हैं। आखरी जन्म में जो ब्राह्मण बनते हैं वो ब्राह्मण भी सारे कनवर्ट हो जाते हैं। एक आत्मा यज्ञ के आदि में एक तरफ और सारी दुनियाँ दूसरी तरफ हो गई। तो ब्राह्मण बनने के बाद भी जो आखरीन कनवर्शन होना है उस कनवर्शन में वो भी चले जाते हैं। इसीलिए वो जो पक्का संगठन है क्रिश्चियन्स का, इस्लामियों का, बौद्धियों का उसमें कनवर्ट नहीं होते। किसमें कनवर्ट होते हैं? जो आखरी जन्म में ब्राह्मणों का संगठन बनता है... ब्राह्मणों में भी अलग-2 कैटगरीज़ के हैं?

जिज्ञासुः हाँ, है ना बाबा।

Student: The eight deities. The eight deities do not suffer punishments, do they? So, they have some or the other shortcoming; this is why they have come later on (in ranking), haven't they? So, they should certainly get some or the other punishment, shouldn't they? Because they haven't become equal to the Father in purity and all other things, it means they have not become 100% [equal]. So, this is why they should get some punishment or the other, shouldn't they?
Baba: Who?
Student: [The remaining ones] except Prajapita, except the number one.
Baba: The first seven?
Student: Yes, the remaining seven.
Baba: They do not get [punishments] because they convert only in the last birth. Those who become Brahmins in the last birth, even those Brahmins become converted. One soul was on one side in the beginning of the *yagya* and the entire world went on the other side. So, even after becoming a Brahmin, the last conversion that takes place; they are also affected by that conversion. This is why they do not convert to the firm gathering of the Christians, the

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Islamic people, the Buddhists. To what do they convert? The gathering of Brahmins that is formed in the last birth…. Are there different categories even among the Brahmins (or not)?
Student: Yes, there are [different categories] Baba.

बाबा: हाँ, त॰ इसीलिए उनक॰ सज़ा की लिस्ट में नहीं डाला जा सकता। क्योंकि शूटिंग पीरियड में बाप की दृष्टि के नीचे आ गए। डायरेक्टर की दृष्टि के नीचे आ गए। उनसे काम कराया जा रहा है। खुद कनवर्ट हा॓ने वाले नहीं हैं। उनसे शूटिंग पीरियड में ऐसी शूटिंग कराई जा रही है।
जिज्ञासु: कौन करा रहा है?
बाबा: डायरेक्टर करा रहा है ज॰ पर्दे के पीछे कार्य करता है।
जिज्ञासु: बाप।
बाबा: हाँ जी।
जिज्ञासु: बाबा, इसमें भी कल्याण है ना।
बाबा: क्यों नहीं कल्याण है? सबसे पहले त॰ उन सात का ही कल्याण है जिनक॰ सज़ा नहीं खानी पड़ती।

Baba: Yes, therefore, they cannot be put in the list of [those who receive] punishments because during the shooting period, they came under the guidance of the Father. They came under the guidance of director. They are being made to work. They do not convert themselves. They are made to perform such shooting in the shooting period.
Student: Who is enabling them [to do the shooting]?
Baba: The director, who acts behind the curtains, is enabling [them to do the shooting].
Student: The Father.
Baba: Yes.
Student: Baba, even this is beneficial, isn't it?
Baba: Why not? First of all it is beneficial to the seven who do not suffer punishments. … (to be continued.)

Extracts-Part-7

समयः 50.49-52.20
जिज्ञासुः सतयुग में शुद्ध प्यार हा॓ता है अशुद्ध प्यार नहीं हा॓ता है।
बाबाः हाँ जी।
जिज्ञासु: त॰ चुंबन से ज॰ पैदाईश की प्रक्रिया है सतयुग में; यहाँ भी भाई बहन क॰ चुंबन करता है, आलिंगन करता है लेकिन उसमें भाव श्रेष्ठ हा॓ता है।
बाबा: हाँ जी।
जिज्ञासु: ये संस्कार यानी वहाँ से आया? ज॰ भाई-बहन....
बाबा: हाँ जी, हाँ जी।
जिज्ञासु: उसका फाऊन्डेशन वहाँ है बाबा सतयुग में.... ?
बाबा: हर चीज़ का फाऊन्डेशन सतयुग त्रेता में नहीं है। संगमयुग में है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 50.49-52.20
Student: There is pure love in the Golden Age; not impure love.
Baba: Yes.
Student: So, the process of reproduction through kissing in the Golden Age; even here a brother may kiss his sister or embrace her, but the feeling is elevated.
Baba: Yes.
Student: Did this *sanskar* come from there (i.e. the Golden Age)? The brothers and sisters...
Baba: Yes, yes.
Student: Baba, is its foundation laid there in the Golden Age….?
Baba: The foundation of everything is laid not in the Golden and Silver Ages, [but] in the Confluence Age.

जिज्ञासुः लेकिन यहाँ चुंबन भी ओपनली नहीं करते हैं ना आलिंगन, चुंबन।
बाबाः भाई बहन?
जिज्ञासुः भाई बहन करते हैं।
बाबाः फिर?
जिज्ञासुः उस कारण फिर .... वहाँ रहता है।
बाबाः कहाँ?
जिज्ञासुः संगम से सतयुग ।
बाबाः हाँ, जी, हाँ, जी।

Student: But here people do not kiss or embrace openly, do they?
Baba: Brother and sister?
Student: Brother and sister do.
Baba: Then?
Student: That is the reason …. it is there.
Baba: Where?
Student: From the Confluence Age [into] the Golden Age.
Baba: Yes, yes.

समयः 52.45-53.40
जिज्ञासुः बाबा, मनुस्मृति की किताब लिखी है ना। त पहला मनु त प्रजापिता है ना। .....
बाबाः मनु कहते हैं पहले ब्रह्मा क। जिसने मनन-चिंतन-मंथन किया, शुरूवात की। उसकी स्मृति में ज+2 बातें पहले-2 आईं द्वापरयुग में उससे मनुस्मृति बन गई।
जिज्ञासुः उसमें सत्य है?
बाबाः सभी शास्त्रों में सत्य है।
जिज्ञासुः पहले-2।
बाबाः हाँ, जी।
जिज्ञासुः माना मनन-चिंतन-मंथन की बात 69 से 76 तक का पीरियड है ना।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा: हाँ जी।

Time: 52.45-53.40
Student: Baba, a book *Manusmriti* has been written, isn't it? So, the first Manu is Prajapita, isn't he?
Baba: The first Brahma is called Manu, the one who thought and churned, made a beginning. Whatever came to his mind first of all in the Copper Age led to the [writing of] *Manusmriti*.
Student: Does it contain truth?
Baba: All the scriptures have truth (to some extent).
Student: At the beginning.
Baba: Yes.
Student: That means the topic of thinking and churning pertains to the period from 1969 to 1976, doesn't it?
Baba: Yes.

समयः 57.05-59.10

जिज्ञासुः बाबा, मेरा बात ये था माना व□ सतयुग माना ब्रह्मा सरस्वती क□ जन्म देने की प्रक्रिया ज□ है नारायण नारायणी की। व□ कब शुरू ह□ती है? माना व□ शरीर में प्रवेश करने के बाद शुरू ह□ती है या कंचन काया बनने के बाद?

बाबाः इन लक्ष्मी नारायण का जन्म कब हुआ?

जिज्ञासुः 10 वर्ष कम 5000 वर्ष पहले हुआ।

बाबाः व□ कब हुआ?

जिज्ञासुः 76 में।

बाबाः बस। एक का फाऊंडेशन है साक्षात्कार का और एक का फाऊंडेशन है ज्ञान का, समझ का। व□ साक्षात्कार के आधार पर अपने का पक्का कर लेती है कि मैं लक्ष्मी बनने वाली हूँ। मेरे अलावा क□ई दुनियाँ में शक्ति नहीं है ज□ लक्ष्मी बनने का पार्ट बजाए अव्वल नंबर। ऐसे ही व□ नारायण वाली आत्मा है। व□ बुद्धि का साक्षात्कार करके अपने अंदर ये पक्का करती है कि मैं नारायण बनने वाली आत्मा हूँ। मेरे अलावा और क□ई दुनियाँ में ताकत नहीं है ज□ नारायण बनने का पार्ट बजाए।

Time: 57.05-59.10
Student: Baba, what I wanted to ask is, when does the process of giving birth to Brahma-Saraswati by Narayan and Narayani begin in the Golden Age? I mean to ask, does it begin after they enter the body or after they receive a disease free body?
Baba: When were these Lakshmi and Narayan born?
Student: 10 years less than 5000 years ago.
Baba: When did it take place?
Student: In 1976.
Baba: That is all. The foundation of one is vision and the foundation of the other is of knowledge, of understanding. She makes this firm on the basis of visions, "I am going to become Lakshmi. There is no other *shakti* in the world other than me who would play the

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

number one role of Lakshmi. Similar is the soul of Narayan. He makes this firm within himself on the basis of the visions of intellect, "I am the soul who is going to become Narayan. There is no power other than me in the world that can play the part of being Narayan".

जिज्ञासु: लेकिन स्थूल रूप से वो प्रक्रिया कब शुरू होती है?
बाबा: 76 से ही।
जिज्ञासु: 76 से ही?
बाबा: अरे, लक्ष्य होगा तो लक्षण आयेंगे या नहीं आयेंगे?
जिज्ञासु: आयेंगे बाबा।
बाबा: बस।
जिज्ञासु: स्थूल रूप से मटेरियलाईज़ होना चाहिए ना।
बाबा: स्थूल रूप में ही। स्थूल रूप क्या होता है? मन के अंदर संकल्प चलते हैं। वो संकल्प वाचा में आते हैं तो स्थूल रूप नहीं है?
जिज्ञासु: वो पूर्ण रीती में नहीं है ना।
बाबा: क्यों? वाचा में आए, प्रैक्टिकल कर्मणा में ना आए तो भी क्या प्रैक्टिकल नहीं कहा जाएगा?
जिज्ञासु: प्रक्टिकल में कहा जाएगा लेकिन पूर्ण रूप में कहा जाएगा?
बाबा: पूर्ण रूप से नहीं कहा जाएगा। तीनों ही मूर्तियाँ चाहिए।

Student: But when does that process begin in a physical form?
Baba: From 1976 itself.
Student: From 1976 itself?
Baba: Arey, will the features develop when there is an aim or not?
Student: They will Baba.
Baba: That is all.
Student: It should materialize in a physical form, shouldn't it?
Baba: In the physical form itself. What is the physical form? Thoughts emerge in the mind. When those thoughts emerge in words, does it not constitute a physical form?
Student: That is not in a complete way, is it?
Baba: Why? If it comes in the speech, but does not come in practical action, will it not be called practical?
Student: It will be called practical, but will it be called practical in a complete form?
Baba: It will not be called [practical] in a complete form. All the three personalities are required. … (to be continued.)

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Extracts-Part-8

समयः 59.15-01.02.25

जिज्ञासुः बाबा, ये तीन सीट फिक्स हुई है ये बात आती है कि ब्रह्मा, बाप और जगदम्बा।

बाबा: हाँ, जी।

जिज्ञासु: ब्रह्मा, बाप मतलब है व नारायणी, नारायण बनने वाला व है और जगदम्बा नेक्स्ट मूर्ती यही है ना?

बाबाः एक है ब्रह्मा। वास्तव में ब्रह्मा का पार्ट किसने बजाया?

जिज्ञासुः दादा लेखराज ने।

बाबाः दादा लेखराज ने बजाया। पार्ट त बजाया लेकिन क्या सम्पन्न पार्ट बजाया? (जिज्ञासुः नहीं बाबा।) व त अंतिम स्टेज में जाके सम्पन्न पार्ट बजायेगा। और जब व सम्पन्न पार्ट बजायेगा त व समान विष्णू का पार्ट ज मुख्य है उसके समान बन जाएगा।

जिज्ञासुः व?

बाबाः हाँ जी। न्युट्रल ह जाएगा।

(किसी ने कुछ कहा)

Time: 59.15-01.02.25
Student: Baba, it is said that three seats have been fixed: Brahma, Baap (the Father) and Jagadamba.
Baba: Yes.
Student: Brahma, Baap means the souls which are going to become Narayani, Narayan and the next personality is Jagadamba, isn't it so?
Baba: One is Brahma. Actually, who played the part of Brahma?
Student: Dada Lekhraj.
Baba: Dada Lekhraj played it. He did play the part, but did he play a complete part? (Student: No, Baba.) He will play a complete part in the last stage. And when he plays a complete part, he will become equal to the one playing the main role of Vishnu.
Student: He?
Baba: Yes, he will become neutral.
(Someone said something).

बाबाः जैसे लक्ष्मी का पार्ट बजाने वाली है नारायणी; व लक्ष्मी का पार्ट बजाने वाली विष्णु पार्टधारियों में से सबसे जास्ती 100% न्युट्रल है। वैष्णवी। ऐसे ही ज ब्रह्मा की साक्ष है प्रेक्टिकल में सहनशक्ति का पार्ट बजाने वाला ब्रह्मा उसकी बुद्धि में ये बात बैठ जाए कि हमें प्रेक्टिकल में विरोध नहीं करना है। व समझने की चीज़ है व जब तक हमारी बुद्धि में नहीं प्रेक्टिकल बैठती है तब तक परिवर्तन न हमारा होगा और न विश्व का कल्याण होगा।

जिज्ञासुः उसका एक सेकण्ड की बात है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः एक सेकण्ड की बात है। तीन सीट्स फिक्स हुई हैं ब्रह्मा, बाप और जगदम्बा। उनमें पहला नाम ब्रह्मा का लिया गया। क्यों? बाप का नाम पहले क्यों नहीं?

जिज्ञासुः क्योंकि प्रेक्टिकल में सम्पन्न .....

बाबाः हाँ, बाप प्रेक्टिकल नहीं करता है। प्रेक्टिकल शक्तियों से कराता है। शक्तियों में मुख्य शक्ति है भारतमाता, वैष्णवी।

Baba: For example, the one who plays the role of Lakshmi, Narayani; the one who plays the part of Lakshmi, is the one who is 100% neutral among those who play the part of Vishnu. It is Vaishnavi. Similarly, the soul of Brahma, the Brahma who plays the part of tolerance in practice; this topic should sit in his intellect, "I should not oppose in practice". That is something to be understood. "Until that sits in my intellect in practical, neither will I be transformed nor will the world be benefited".
Student: It is the subject of a second.
Baba: It is the subject of a second. Three seats have been fixed: Brahma, Baap and Jagadamba. Among them, the name of Brahma was taken first. Why? Why wasn't the Father's name taken first?
Student: It is because she accomplishes it in practical….
Baba: Yes, the Father does not do it [accomplish the task] in practical. He enables the *shaktis* to do it in practical. The main *shakti* among the *shaktis* is mother India, Vaishnavi.

जिज्ञासुः तीन सीट्स फिक्स हुई माना त्रिमूर्ति डिक्लेयर हुई।

बाबाः हाँ जी। पहला ब्रह्मा। फिर ब्रह्मा स विष्णु। व ही एक ह गया व अलग-2 है ही नहीं। दूसरा बाप, बाप का काम ही जब तक पूरा नहीं हुआ। त प्रेक्टिकल में बाप कहा कैसे जाएगा? दुनियाँ कैसे मानेगी? प्रत्यक्ष कैसे ह जाएगा?

जिज्ञासुः प्रेक्टिकल हुआ है तब ....।

बाबाः त पहले प्रेक्टिकल बाद में बाप, पहले सीता बाद में राम। पहले राधा बाद में कृष्ण।

Student: Three seats have been fixed, i.e. *Trimurty* was declared.
Baba: Yes. First is Brahma. Then Brahma becomes Vishnu. That is one [personality]. They are not different at all. Second is the Father; until the Father's task itself is not completed, how will He be called the Father in practical? How will the world accept? How will He be revealed?
Student: When practical takes place …
Baba: So, first it is practical; after that is the Father. First is Sita, then is Ram. First is Radha and after that is Krishna.

समयः 01.02.35-01.03.12

जिज्ञासुः बाबा, आज की मुरली में इच्छापूर्ण मरण ज भीष्म की बात आई ना। ब्रह्मचारी है इसलिए....। लेकिन ये भीष्म किसक लागू हुआ चाहिए? भीष्म त कौरव पक्ष में रहने वाला ..... में से है।

बाबाः दुनियाँ का बीज कौन है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः बीज बाप है।

बाबाः कौरवों का भी बीज कौन है?

जिज्ञासुः बाप है।

बाबाः यादवों का भी बीज कौन है?

जिज्ञासुः शंकर।

बाबाः और पांडवों का भी बाप कौन है? दुनियाँ की ऐसी कई बात नहीं जो तेरे ऊपर लागू ना होती हो।

जिज्ञासुः माना यहाँ बीज तो बाप है।

बाबाः पहले तो वो ही है। बाद में फिर और-और नम्बरवार होंगे।

Time: 01.02.35-01.03.12
Student: Baba, the topic of Bhishma's 'wishful death' (*ichchapoorna maran*) was mentioned in today's Murli. He is a *Brahmachaari* (celibate) that is why... But to whom should this [part of] Bhishma be applicable? Bhishma was from the side of the Kauravas...
Baba: Who is the seed of the world?
Student: The Father is the seed.
Baba: Who is the seed of the Kauravas as well?
Student: It is the Father.
Baba: Who is the seed of the Yadavas as well?
Student: Shankar.
Baba: And who is the Father of the Pandavas as well? There is nothing in this world which is not applicable to you.
Student: It means that here the Father is the seed.
Baba: He alone is first; then others will be number wise. (Concluded).

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info